Bipin Nambiar
(SBI PO 2018)

Shiraz Khan
(SBI Clerk 2018)

Kuldeep Yadav
(SBI PO 2018)

Rajat Saxena
(IBPS Clerk 2018)

Anupam Tyagi
(IBPS PO 2018)

FRIENDS!
WE USED **TESTZONE**
AND CRACKED BANK EXAMS

बैंक परीक्षाओ के लिए निश्चित
रूप से सर्वश्रेष्ट मॉक
टेस्ट सीरीज

IT'S YOUR TURN NOW
TAKE A **FREE** MOCK TEST

Smartkeeda
The Question Bank

Passage Test for RRB Scale I Mains & RRB Office Assistance Mains

Hindi Passage Quiz 4

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक अध्ययन करे तथा पूछे गए प्रश्नो के सही उत्तर दे:

कोरोना के समय भारतीय चिकित्सा क्षेत्र की खामियों की चर्चा स्वाभाविक ही है। चिकित्सक, अस्पताल, दवाई, संसाधन इत्यादि से जुड़ी कमियां एक-एक कर सामने आ रही हैं। शहरों में भी डॉक्टरों और सुविधाओं की कमी आए दिन सामने आती रहती है, लेकिन इन दिनों एक रिपोर्ट खास चर्चा में है। यह रिपोर्ट बताती है कि भारत के गांवों में मेडिकल प्रैक्टिस करने वाले तीन में से दो के पास न तो यथोचित डिग्री है और न कोई विधिवत प्रशिक्षण। वे जरूरी ज्ञान के बिना ही लोगों की जान से खेल रहे हैं। कोई आश्चर्य की बात नहीं, हमारे गांवों में बीमारी और मृत्यु दर बहुत ज्यादा है। जाहिर है, सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा के अभाव के कारण ही निजी क्षेत्र में कथित डॉक्टरों का स्याह साम्राज्य फैल गया है। यह चर्चा आई सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च की रिपोर्ट 2009 के अध्ययन पर आधारित है, जिसे देश के 19 राज्यों के 1, 519 गांवों में अंजाम दिया गया था। रिपोर्ट बताती है, महज 75 प्रतिशत गांवों में ही कोई एक कथित चिकित्सा सेवक मौजूद है और एक गांव में औसतन तीन ऐसे कथित चिकित्सा सेवक होते हैं। इनमें से 86 प्रतिशत निजी डॉक्टर हैं और 68 प्रतिशत को किसी तरह का औपचारिक प्रशिक्षण भी नहीं मिला है। आज कोई यह कह सकता है कि ये आंकड़े 2009 के हैं, पर विश्व स्वास्थ्य संगठन की 2016 की एक रिपोर्ट भी ऐसी ही तस्वीर की ओर इशारा करती है। खतरनाक तथ्य यह भी है कि इन कथित डॉक्टरों या झोलाछाप में से 31.4 प्रतिशत स्कूल से आगे नहीं पढ़े हैं। लोगों के बीच अशिक्षा व गरीबी का आलम ऐसा है कि वे हर इलाज के लिए गांव से शहर नहीं जा सकते। ऐसे में, वे गांवों में मौजूद झोलाछाप पर निर्भर होकर खतरा उठाते हैं।

एक महत्वपूर्ण तथ्य यह भी सामने आया है कि महज डिग्री होने से ही इलाज में महारत हासिल नहीं हो जाती। तमिलनाडु और कर्नाटक में जो अनौपचारिक चिकित्सा सेवक थे, उनकी योग्यता बिहार व उत्तर प्रदेश के अनेक प्रशिक्षित डॉक्टरों से भी बेहतर पाई गई। दक्षिण के राज्यों में चिकित्सा की अपेक्षाकृत ठीक स्थिति इसलिए भी है, क्योंकि वहां अनौपचारिक सेवक किसी औपचारिक डॉक्टर के पास वर्षों तक काम करके सीखते हैं, जबकि उत्तर के राज्यों में थोड़ी-बहुत जानकारी होते ही मरीजों की सेहत से खिलवाड़ शुरू हो जाता है। केरल एक बेहतर **अपवाद** है, जहां शिक्षा व जागरूकता ज्यादा होने के कारण झोलाछाप डॉक्टरों की संख्या समय के साथ कम होती गई।

कोरोना ने जता दिया है कि ग्रामीण इलाकों में पारंगत डॉक्टरों की उपलब्धता बढ़ाने के तमाम उपाय युद्ध स्तर पर आजमाने होंगे। नए डॉक्टरों को कुछ वर्ष गांवों में सेवा के लिए बाध्य करना होगा। ऐसे उपाय कुछ राज्यों ने कर रखे हैं, इसकी कड़ाई से पालना जरूरी है। कुछ वर्ष गांव में काम करने वाले डॉक्टरों को तरजीह देने की जरूरत है। जो लड़के गांव से निकलकर डॉक्टर बने हैं, उन्हें भी अपने गांवों को झोलाछाप के भरोसे नहीं छोड़ना चाहिए। ग्रामीण पृष्ठभूमि से जुड़े डॉक्टरों को प्रोत्साहित करना चाहिए। ऐसे प्रावधान करने चाहिए कि वे कहीं और सेवा या नौकरी में रहते हुए भी महीने या साल में कुछ दिन अपने गांव जाकर सेवा कर सकें। हमारे गांव अच्छे डॉक्टरों के लिए तरस रहे हैं, उनके इंतजार को जल्द से जल्द खत्म करना सरकार ही नहीं, बल्कि चिकित्सा संगठनों-संस्थानों का भी **कर्तव्य** है।

1. कोरोना के विषय में आई रिपोर्ट की चर्चे में बने रहने का खास कारण क्या है?

A. यह भारत की चिकित्षा क्षेत्रो में किये गये कार्यो को प्रोत्साहित कर रही है।

B. आज कल हर जगह लोग कोरोना से जूझ रहे है, इसलिए खास हो गयी है।

C. यह रिपोर्ट भारत में चिकित्षा के लचर भविष्य को दर्शाती है।

D. A और B दोनों

E. इनमे से कोई नहीं।

2. रिपोर्ट के अनुसार कितने प्रतिशत गांवो में कोई एक चिकित्सा सेवक मौजूद है?

A. 75% B. 60% C. 38.4%

D. 55% E. 80%

3. रिपोर्ट के अनुसार भारत में कितने प्रतिशत कथित डॉक्टर स्कूल से आगे नहीं पढ़े?

A. 30.4% B. 32.4% C. 31.4%

D. 38.4% E. 40.4%

4. ग्रामीण क्षेत्रो में लचर चिकित्सा व्यवस्था को सुदृढ़ करने के क्या कदम उठाने चाहिए?

A. ग्रामीण क्षेत्रो में लोगो में जागरूकता

B. नए डॉक्टरों को ग्रामीण सेवा के लिए कुछ वर्ष बाध्य करना

C. ग्रामीण क्षेत्रो में डॉक्टरों का तबादला करना

D. A और C दोनों

E. उपरोक्त सभी

Smartkeeda
The Question Bank

5. उपरोक्त गद्यांश में कथित किसने प्रकाशित किया है?

A. सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च B. स्टेट फॉर पॉलिसी रिसर्च C. सेंटर ऑफ़ पॉलिसी रिसर्च

D. डब्लू एच ओ E. A और C दोनों

6. तमिलनाडु के कुछ अनौपचारिक चिकित्सक सेवकों की योग्यता किनसे अच्छी थी?

A. बिहार के कुछ प्रशिक्षित चिकित्सको से

B. उत्तर-प्रदेश के कुछ प्रशिक्षित चिकित्सकों से

C. कर्नाटक के कुछ प्रशिक्षित चिकित्सको` से

D. A और B दोनों से

E. किसी से भी नहीं

7. भारत के किस हिस्से में झोलाछाप डॉक्टरों की संख्या सबसे कम है?

A. तमिलनाडु B. कर्नाटक C. बिहार

D. उत्तर-प्रदेश E. केरल

8. गद्यांश में प्रयुक्त शब्द “कर्तव्य” का समानार्थी शब्द दिए गए विकल्पों में से कौन-सा है?

A. दायित्व B. जिम्मेदारी C. फ़र्ज़

D. जिम्मेवारी E. उपरोक्त सभी

9. गद्यांश में प्रयुक्त शब्द “तरस” का विपरीतार्थक शब्द दिए गए विकल्पों में से कौन-सा नहीं है?

A. दया B. सहानुभूति C. रहम

D. सदयता E. इनमे से कोई नहीं

10. गद्यांश में प्रयुक्त “पृष्ठभूमि” का संधि-विच्छेद क्या है?

A. पृष्ठ + भूमि B. पृष्ठ + भुमि C. A और B दोनों

D. प्र + ईस्ट + भूमि E. उपरोक्त सभी

Smartkeeda
The Question Bank

Correct answer:

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
C	A	C	B	A	D	E	E	E	A

Explanation:

1. **"लेकिन इन दिनों एक रिपोर्ट खास चर्चा में है। ...."** उपरोक्त गद्यांश के इस भाग के अध्ययन से यह ज्ञात होता है कि यह रिपोर्ट भारत में चिकित्सा के लचर हालत का वर्णन कर रही है, इसलिए आज कल खास चर्चा हो रही है।

   अतः विकल्प C सही चयन है।

2. **"रिपोर्ट बताती है, महज...."** गद्यांश के इस छंद के अध्ययन के उपरांत यह ज्ञात होता है कि भारत के महज 75 प्रतिशत गांवो में कोई एक चिकित्सा सेवक है।

   अतः विकल्प A सही चयन है।

3. **"खतरनाक तथ्य यह भी है कि....."** उपरोक्त गद्यांश के इस छंद के अध्ययन से यह ज्ञात होता है कि भारत में 31.4 प्रतिशत डॉक्टर स्कूल से आगे नहीं पढ़े।

   अतः विकल्प C सही चयन है।

4. **"कोरोना ने जता दिया है कि ग्रामीण इलाकों में पारंगत डॉक्टरों की उपलब्धता बढ़ाने के तमाम उपाय युद्ध स्तर पर आजमाने होंगे। ....."** उपरोक्त छंद के अध्ययन के उपरांत हमे यह ज्ञात होता है कि ग्रामीण क्षेत्रो में नए डॉक्टरों को कुछ वर्ष के लिए बाध्य करना होगा, ताकि वो अपने कैरियर के कुछ वर्ष ग्रामीण क्षेत्रो में बितायें।

   अतः विकल्प B सही चयन है।

5. **"जाहिर है, सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा के अभाव के कारण ही निजी क्षेत्र में कथित डॉक्टरों का स्याह साम्राज्य फैल गया है। ...."** गद्यांश के इस छंद के अध्ययन से यह ज्ञात होता कि उक्त रिपोर्ट को सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च किया था।

   अतः विकल्प A सही चयन है।

6. **"एक महत्वपूर्ण तथ्य यह भी सामने आया है कि महज डिग्री होने से ही इलाज में महारत हासिल नहीं हो जाती। ..."** गद्यांश छंद के अध्ययन से ज्ञात होता है कि तमिलनाडु की अनौपचारिक चिकित्सकों की योग्यता बिहार और उत्तर-प्रदेश दोनों के कुछ प्रशिक्षित चिकित्सकों से अच्छी थी।

   अतः विकल्प D सही चयन है।

Smartkeeda
The Question Bank

7. **"जबकि उत्तर के राज्यों में थोड़ी-बहुत जानकारी होते ही मरीजों की सेहत से खिलवाड़ शुरू हो जाता है। ....."** उपरोक्त गद्यांश के इस छंद के अध्ययन के उपरांत यह ज्ञात होता है कि भारत में सबसे कम झोलाछाप डॉक्टर केरल में है।

अतः विकल्प E सही चयन है।

8. गद्यांश में प्रयुक्त शब्द "कर्त्तव्य" का समानार्थी अथवा अर्थ दायित्व या जिम्मेदारी होता है।

दिए गए विकल्पों में सभी शब्द कर्त्तव्य के सामान अर्थ प्रकट करते है।

अतः विकल्प E सही चयन है।

9. गद्यांश में प्रयुक्त शब्द "तरस" का अर्थ होता है - दया अथवा रहम। विकल्पों में दिए गए सभी शब्द सामान अर्थ प्रकट करते है।

अतः विकल्प E सही चयन है।

10. शब्द "पृष्ठभूमि" का संधि-विच्छेद "पृष्ठ + भूमि" होगा।

अतः विकल्प A सही चयन है।

Smartkeeda
The Question Bank

SmartKeeda
The Question Bank
Presents
TestZone
India's least priced Test Series platform
JOIN
ALL BANK EXAMS
2020-2021 Test Series
@ Just
₹599/-
300+ Full Length Tests
Brilliant Test Analysis
Excellent Content
Unmatched Explanations
JOIN NOW